मध्यप्रदेश विधान सभा

संक्षिप्त कार्य विवरण (पत्रक भाग-एक)

सोमवार, दिनांक 7 मार्च, 2022 (फाल्गुन 16, शक संवत् 1943)

विधान सभा पूर्वाह्न 11:00 बजे समवेत हुई.

अध्यक्ष महोदय (श्री गिरीश गौतम) पीठासीन हुए.

1. राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' का समूहगान

सदन की कार्यवाही राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के समूहगान से प्रारम्भ हुई.

2. राज्यपाल महोदय का अभिभाषण

सदन द्वारा राज्यपाल महोदय के आगमन की प्रतीक्षा की गई. पूर्वाह्न 11.11 बजे श्री मंगुभाई पटेल, राज्यपाल महोदय का चल समारोह के साथ सभा भवन में आगमन हुआ. राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पश्चात् अध्यक्ष महोदय द्वारा सूचित किया गया कि राज्यपाल महोदय द्वारा अभिभाषण के कुछ अंश सदन में पढ़े गये है. शेष अभिभाषण पढ़ा हुआ माना जायेगा.

पूर्वाह्न 11.40 बजे, राज्यपाल महोदय ने चल समारोह के साथ सभा भवन से प्रस्थान किया.

3. औचित्य के प्रश्न पर अध्यक्षीय व्यवस्था

डॉ. नरोत्तम मिश्र, संसदीय कार्य मंत्री ने आसंदी के माध्यम से सदन का ध्यानाकर्षित किया कि माननीय सदस्य श्री जितु पटवारी द्वारा आज ट्वीट करके राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर विरोध दर्ज करने के साथ ही बहिर्गमन करने का उल्लेख किया है. यह ट्वीट करने की नई परम्परा उनके द्वारा प्रारम्भ हुई है. मैं आसंदी से व्यवस्था चाहता हूं कि क्या बहिर्गमन अब ट्वीटर पर होंगे ? विधान सभा एक संवैधानिक संस्था है और सदन की अपनी गरिमा है और पक्ष-विपक्ष के माननीय सदस्यों को आसंदी से ताकत मिलती है. नेता प्रतिपक्ष जी का माननीय सदस्य के ट्वीट पर स्पष्टीकरण आना चाहिए. माननीय सदस्य को अभिभाषण मिला कहां से है और उन्होंने इसके कौन-कौन से अंशों का विरोध किया है. यह बात भी सदन की जानकारी में आना चाहिए.

श्री कमल नाथ, नेता प्रतिपक्ष ने उल्लेख किया कि मैं और मेरा दल संसदीय कार्य मंत्री की बातों से सहमत है कि इस सदन की गरिमा बनाए रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है और हमें इसे मजबूती देनी चाहिए. मैं उनके इस ट्वीट से सहमत नहीं हूँ और यह हमारी पार्टी का फैसला नहीं था और आगे भी नहीं रहेगा.

श्री लक्ष्मण सिंह, सदस्य ने भी उल्लेख किया कि यह महत्वपूर्ण विषय है मैं सत्तापक्ष और विपक्ष से सहमत हूँ कि हमारी संसदीय परम्पराओं का सम्मान होना चाहिए. लेकिन मैं भी जानना चाहता हूँ कि बजट सत्र शुरू होने के पहले ही बजट समाचार पत्रों में कैसे लीक हो जाता है क्योंकि प्रदेश का एक अखबार बता रहा है कि बजट में क्या-क्या होने वाला है इसलिए आसंदी इस पर भी शासन को निर्देशित करे कि बजट आने से पूर्व समाचार पत्रों में लीक किया जाता है तो यह प्रजातंत्र की और सदन की सबसे बड़ी अवमानना होगी और ऐसा करने वाले समाचार पत्रों पर नियंत्रण करें.

श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री ने आसंदी को अवगत कराया कि मैं नेता प्रतिपक्ष को हृदय से धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने बड़े मन से इस गलत परम्परा का विरोध करते हुए सहमति जताई है, संसदीय परम्पराओं का पालन करना हमारा धर्म है और मध्यप्रदेश की गौरवशाली परम्परा रही है इसको उन्होंने आगे बढ़ाने का काम किया है.

माननीय सदस्य लक्ष्मण सिंह जी ने जो उल्लेख किया है, मैं उन्हें बताना चाहता हूँ कि कई बार समाचार पत्र बजट का पूर्वानुमान, कयास लगाते रहते हैं. बजट लीक नहीं किया जाता है. जैसे हम आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोड मेप बना रहे है और हम इसको प्राथमिकता देंगे. मैं सदन को आश्वस्त करता हूँ हमारा बजट गोपनीय है और गोपनीय ही रहेगा. माननीय सदन की किसी भी परम्परा का उल्लंघन नहीं किया जायेगा.

अध्यक्ष महोदय ने व्यवस्था दी कि – "मैं सबसे पहले संसदीय कार्य मंत्री को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने एक गंभीर मुद्दे को सदन में उठाया है और नेता प्रतिपक्ष जी को भी धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने भी संसदीय मान्य परम्पराओं को खण्डित न होने देने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराया है. माननीय सदस्य श्री जितु पटवारी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का या राज्यपाल महोदय का विरोध कर रहे हैं. किन्तु जब सदन के भीतर अभिभाषण प्रस्तुत ही नहीं हुआ तो उसके पहले उन्हें कैसे पता चला कि अभिभाषण के कौन-कौन से अंश विरोध करने के लायक है और कौन से नहीं ? यह चिन्ता का विषय है. हम सब को मिलकर संसदीय परम्पराओं एवं सदन की गरिमा को बनाये रखने के लिए आवश्यकतानुसार यथोचित कदम मिलकर उठाने चाहिए. वास्तव में सदस्य का यह कृत्य उचित नहीं है और ऐसी परम्पराएं इतिहास के लिए ठीक नहीं होंगी.

अध्यक्ष महोदय ने यह घोषणा की कि माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा अपने अभिभाषण के अधिकांश पैराग्राफ पढ़े गए हैं. शेष समस्त पैराग्राफ पढ़े हुए माने जाएंगे.

श्री नर्मदा प्रसाद प्रजापति, सदस्य ने आसंदी को अवगत कराया कि माननीय के अभिभाषण में कुछ शब्द और कुछ आंकड़े अस्पष्ट बोल दिये गये थे उनको भी संशोधित करवा लें. आसंदी ने आश्वस्त किया कि उनको आवश्यकतानुसार संशोधित कर लिया जायेगा.

4. राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव की प्रस्तुति

डॉ. सीतासरन शर्मा, सदस्य ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया कि :-

'राज्यपाल ने जो अभिभाषण दिया, उसके लिए मध्यप्रदेश की विधान सभा के इस सत्र में समवेत सदस्यगण अत्यन्त कृतज्ञ हैं'

श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, सदस्य ने इसका समर्थन किया.

प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ.

अध्यक्ष महोदय द्वारा सदन को सूचित किया गया कि – "राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिए मैं मंगलवार, दिनांक 8 एवं गुरुवार, दिनांक 10 मार्च, 2022 का समय नियत करता हूँ. जो माननीय सदस्य कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव में संशोधन देना चाहते हों, वे आज सोमवार, दिनांक 7 मार्च, 2022 को अपरान्ह 5 बजे तक विधान सभा सचिवालय में दे सकते हैं."

पूर्वाह्न 11.52 बजे विधान सभा की कार्यवाही मंगलवार, दिनांक 8 मार्च, 2022 (17 फाल्गुन, शक सम्वत् 1943) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई.

ए. पी. सिंह,
प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश विधान सभा

भोपाल:
दिनांक: 7 मार्च, 2022